Patrika (Indore), 20th May 2022, Page-02

जय विज्ञान

आइआइटी इंदौर के बायोसाइंसेज-बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग का शोध

पौधों से भी तैयार हो सकती है कोरोना रोकने वाली दवा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. दुनियाभर में कोरोना के इलाज के लिए दवाइयों की खोज जारी है। इसी कड़ी में आइआइटी इंदौर में काम चल रहा है। यहां जारी शोध (स्टडी) से यह अच्छी खबर सामने आई है कि कुछ पौधों से बनी दवाई के जरिए कोरोना संक्रमण का इलाज किया जा सकता है। शोध अभी प्रारंभिक दौर में है, लेकिन परिणाम सकारात्मक सामने आए हैं। दावा किया जा रहा है कि पौधों से बनी दवाइयों से इलाज करने पर साइड इफेक्ट का खतरा नहीं रहेगा।

कई पौधों पर स्टडी जारी, हर पौधे में एंटी वायरल गुण अलग-अलग

ये स्टडी इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आइआइटी) इंदौर के बायोसाइंसेज और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. हेमचंद्र झा, डॉ. परिमल कर, शोधार्थी धर्मेंद्र कश्यप और राजर्षि रॉय कर रहे हैं। यह प्रोजेक्ट केंद्र सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के वित्तीय सहायता के अंतर्गत चल रहा है।

एन प्रोटीन को ब्लॉक करने से थमेगा

बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. हेमचंद्र झा ने बताया कि न्यूक्लियोकैप्सिड प्रोटीन तेजी से म्यूटेंट होता है, इसलिए कोविड संक्रमण कम समय में जानलेवा बन जाता है। न्यूक्लियोकैप्सिड प्रोटीन को अगर ट्रीट करें या ब्लॉक कर दिया जाए तो इंफेक्शन थमेगा और फिर खत्म हो जाएगा, क्योंकि उसका म्यूटेशन नहीं हो सकेगा।

60 एंटी वायरल लिए गए

इस स्टडी में औषधीय पौधों से मिलने वाले 60 एंटी वायरल लिए गए थे, जिनके सिम्युलेशन में पाया गया कि वथेनोलाइड डी, हाइपरिसिन और सिलीमारिन तीन ऐसे एंटी वायरल कंपाउंड हैं, जो लगातार और तेजी से न्यूक्लियोकैप्सिड को ब्लॉक कर सकते हैं। कई तरह के पौधों में ये एंटी वायरल अलग-अलग मात्रा में पाए जाते हैं। शोध के अच्छे नतीजे सामने आने की उम्मीद की जा रही है।